होता है। जीवन रक्षक दवाओं का निर्माण पोस्ता से निकली हुई कच्ची अफ़ीम से तैयार किया जाता है, जिसको किसानों द्वारा कड़ी मेहनत से खेती करके पैदा किया जाता है और जो अन्य प्रदेशों से मंगाया जाता है। विडम्बना यह है कि यह प्रतिष्ठान उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में होने के बावजूद भी, गाजीपुर में पोस्ता की खेती नहीं की जाती है, जिसकी अति आवश्यकता है, क्योंकि शासकीय अफीम एवं क्षारोद कारखाना गाजीपुर में ही है एवं उसकी खेती के लिए गाजीपुर में पर्याप्त जमीन एवं पानी उपलब्ध होने के कारण पोस्ता की अच्छी खेती हो सकती है।

दूसरा, गाजीपुर में पैदा की गई अफ़ीम/पोस्ता में लगभग 16 प्रतिशत मॉरफीन पाया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अच्छी आमदनी भारत सरकार को हो सकती है।

तीसरा, गाजीपुर विश्वस्तरीय तस्करी सीमाओं से दूर होने के कारण तस्करी की समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

चौथा, भारत में अन्य जगहों की तुलना में शासकीय अफ़ीम एवं क्षारोद कारखाना, गाजीपुर सुरक्षित स्थान पर होने के साथ-साथ यहां पर आवागमन के साधन भी आवश्यकतानुसार उपल्बध रहते हैं।

पांचवां, अफ़ीम कारखाना, गाजीपुर की अफ़ीम/पोस्ता उत्पाद में लगभग 16 प्रतिशत मॉरफीन होने के कारण भारतीय अफ़ीम उत्पाद का विश्व बाजार में दबदबा होगा, जबकि अन्य जगहों पर केवल 11 प्रतिशत मॉरफीन की प्राप्त होती है।

अतः इस सदन के माध्यम से मैं केन्द्र सरकार से यह मांग करता हूं कि गाजीपुर के किसानों को अफ़ीम/पोस्ता की खेती के लिए लाइसेंस दिए जाएं।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TIRUCHI SIVA): Thank you, there are 24 Special Mentions. So, if you kindly lay it on the Table, it will help all the Members. Next is Mr. Basawaraj Patil. Absent. Next is Chaudhary Munavver Saleem.

Demand for opening High Court Bench at Bhopal in Madhya Pradesh

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश) : महोदय, सस्ता, सुलभ और जल्दी न्याय किसी भी सरकार की कामयाबी का महत्वपूर्ण अध्याय होता है। देश की न्याय व्यवस्था में उच्च न्यायालय तक बहुत बड़ी संख्या में मध्यम वर्गीय परिवार न्याय की तलाश में पहुंचते हैं, जबकि देखने में यह आता है कि सर्वोच्च न्यायालय तक मध्यम वर्गीय परिवारों का पहुंचना बहुत कम होता है। मैं इस समय हिन्दुस्तान के क्षेत्रफल की दृष्टि से एक बड़े सूबे मध्य प्रदेश भौगोलिक स्थिति को सामने रखते हुए कहना चाहता हूं कि भोपाल अंचल के लाखों लोगों को उच्च न्यायालय तक जाने के लिए करीब 400 किलोमीटर दूर जाना होता है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि भोपाल में उच्च न्यायालय की हाई कोर्ट बेंच खोलने सम्बन्धी कार्यवाही आरम्भ करें। सम्भवतः भोपाल अकेली ऐसी प्रादेशिक राजधानी होगी, जो हाई कोर्ट की सुविधा से वंचित है। भोपाल की अवाम इस सन्दर्भ में वर्षों से अपनी मांग सरकारों तक पहुंचाती रही है। मुझे उम्मीद है कि भारत सरकार इस संदर्भ में एक मजबूत फैसला लेगी और भोपाल को हाई कोर्ट बेंच देगी। धन्यवाद।

†[**چودھری منوّر سلیم (اترپردیش)** : مہودے، سستا، سلبھ اور جلدی نیائے کسی بھی سرکار کی کامیابی کا مہتّوپورن ادھیائے ہے۔ دیش کی نیائے ویوستھا میں اچّ-نیایالے تک بہت بڑی تعداد میں مدھیم ورگنے پریوار نیائے کی تلاش میں پہنچتے ہیں، جبکہ دیکھنے میں یہ آتا ہے کہ سرووچّے نیایالے تک مدّھیم ورگنے پریواروں کا پہنچتا بہت کم ہوتا ہے۔ میں اس وقت ہندوستان کی چھیترپھل کی درشٹی سے ایک بڑے صوبے مدھیہ پردیش کی بھوگولک استتھی کو سامنے رکھتے ہوئے کہنا چاہتا ہوں کہ بھوپال انچن کے لاکھوں لوگوں اچّ نیایالے تک جانے کےلئے قریب 400 کلو میٹر دور جانا ہوتا ہے۔

مہودے، میں آپ کے مادھیم سے سرکار سے مانگ کرتا ہوں کہ بھوپال میں اچّ نیایالے کی بائی کورٹ بینچ کھولنے سمبندھی کاروائی آرمبھ کریں۔ سمبھوتا بھوپال اکیلی ایسی پرادیشک راجدھانی ہوگی، جو بائی کورٹ کی سویدھا سے ونچت ہے۔ بھوپال کی عوام اس سندربھ میں سالوں سے اپنی مانگ سرکاروں تک پہنچاتی رہی ہے۔ مجھے امید ہے کہ بھارت سرکار اس سندربھ میں ایک مضبوط فیصلہ لے گی اور بھوپال کو بائی کورٹ بینچ دے گی۔ دھنیواد۔

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I associate myself with this issue.

Demand for compulsory insurance of life and property of people in areas frequently affected by communal violence

श्री अविनाश राय खन्ना (पंजाब) : महोदय, सरकार का काम है लोगों की जानमाल की सुरक्षा करना, जिसकी जिम्मेदारी केन्द्र और प्रदेशों की सरकारों की होती है। ऐसा देखने में आया है कि देश के कुछ हिस्सों में अक्सर साम्प्रदायिक हिंसा होती रही है, जिससे लोगों की जान-माल का नुकसान लगातार होता रहता है। उदाहरण का तौर पर किश्तवाड़ (जम्मू कश्मीर) में हर पांच वर्ष बाद वहां के एक विशेष सम्प्रदाय के लोगों की जायदाद को पूरा नष्ट कर दिया जाता है। यह एक तरह का आर्थिक आतंकवाद है। इसी तरह देश कई स्थान ऐसे हैं, जहां पर इस प्रकार की घटनाएं निरंतर होती रहती हैं और समय-समय पर सरकार इसके लिए मुआवजे आदि की घोषणा भी करती है। यदि ऐसे स्थानों को अंकित करके वहां के लोगों की जान और माल का बीमा अनिवार्य रूप से कर दिया जाये, जिसका प्रिमियम केन्द्र व राज्य सरकारें वहां के लोगों के साथ मिल कर दें, ताकि ऐसी स्थिति आने पर उन लोगों की आर्थिक मदद हो सके, इस पर सरकार विचार करे।

† Transliteration in Urdu Script.